आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
रविवार 13.04.2025
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- चारधाम यात्रा 2025 की तैयारियां अंतिम चरणों में, पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा–इस वर्ष भी यात्रा पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है।
- बैसाखी पर्व का त्यौहार धूमधाम से मनाया जा रहा है। हरिद्वार में लाखों तीर्थ यात्रियों ने हर की पौड़ी सहित विभिन्न घाटों पर स्नान किया।
- नैनीताल जिले में हल्द्वानी के वनभूलपुरा थाना क्षेत्र में पंजीकरण और मान्यता के बगैर अवैध रूप से संचालित हो रहे मदरसों पर जिला प्रशासन की कार्रवाई जारी।
- विश्व धरोहर रम्माण को पहली बार जिला प्रशासन के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

चारधाम यात्रा

चारधाम यात्रा 2025 की तैयारियां अपने आखिरी चरणों में हैं। राज्य सरकार ने इस बार यात्रा को और अधिक सुव्यवस्थित और श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। प्रशासन, पर्यटन, धर्मस्व और संस्कृति विभाग पूरी तरह से मुस्तैद हैं। चारधाम यात्रा इस बार 30 अप्रैल से शुरू हो रही है। वहीं पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने जानकारी देते हुए कहा कि इस वर्ष भी चारधाम यात्रा पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। अब तक 16 लाख से अधिक श्रद्धालु अपना पंजीकरण करवा चुके हैं। यात्रा को लेकर सभी विभाग सक्रिय हैं और समुचित व्यवस्थाएं की जा चुकी हैं। वहीं यात्रा मार्गों पर साफ–सफाई और स्वच्छता को लेकर भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। यात्रा मार्ग पर 147 स्थाई शौचालयों की व्यवस्था की गई है।

वन विभाग

प्रदेश में फॉरेस्ट फायर सीजन शुरू हो चुका है। हर साल फॉरेस्ट फायर उत्तराखंड वन विभाग के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर सामने आता है। प्रशासनिक तौर पर 15 फरवरी से 15 जून तक का समय फायर सीजन के तौर पर देखा जाता है। वन अधिकारी लगातार ग्राउंड ज़ीरो पर कमर्चारियों का मनोबल बढ़ाने के साथ औचक निरीक्षण करते हुए भी नज़र आ रहे हैं। इसी कड़ी में अपर प्रमुख वन संरक्षक, वनाग्नि एंव आपदा प्रबंधन उत्तराखंड निशांत वर्मा ने देहरादून के मसूरी वन प्रभाग की रायपुर रेंज अंतर्गत मालसी स्थित मास्टर कंट्रोल रूम और क्रू स्टेशन राजपुर बीट का निरीक्षण किया और वनाग्नि नियंत्रण के लिए किये जा रहे उपायों की जानकारी लेते हुए आवश्यक सुझाव दिये गये।

फॉरेस्ट फायर को लेकर भी मौसम विभाग ने कड़ी चेतावनी दी है। श्री वर्मा ने बताया कि वन विभाग ने इसको लेकर गाइडलाइन जारी कर दी है। राज्य में अब तक आग लगने की 62 घटनायें सामने आ चुकी हैं जो पिछले सालों की अपेक्षा में कम हैं।

बैसाखी पर्व

बैसाखी पर्व का त्यौहार धूमधाम से मनाया जा रहा है। तीर्थ नगरी हरिद्वार में लाखों तीर्थ यात्रियों ने हर की पौड़ी सहित विभिन्न घाटों पर स्नान किया।

बैसाखी पर्व के महत्व के बारे में बताते हुए तीर्थ पुरोहित पंडित मनोज त्रिपाठी का कहना है कि आज के दिन स्नान के साथ–साथ दान का भी विशेष महत्व है।

वहीं श्रद्धालुओं ने भी आज के दिन पर स्नान करने से पुण्य लाभ होने की बात कही है।

स्नान को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने भी पुख्ता इंतजाम किए हुए हैं। हरिद्वार के मेला क्षेत्र को कई जोन व सेक्टर में बांटा गया है साथ ही पुलिस ने यातायात व्यवस्था लागू की है।

मदरसों पर कार्रवाई

नैनीताल जिले में हल्द्वानी के वनभूलपुरा थाना क्षेत्र में पंजीकरण और मान्यता के बगैर अवैध रूप से संचालित हो रहे मदरसों पर जिला प्रशासन की कार्रवाई जारी है। अपर जिलाधिकारी विवेक कुमार राय के नेतृत्व में पुलिस और प्रशासन की टीम द्वारा अवैध रूप से संचालित मदरसों को सील किया जा रहा है।

रम्माण

विश्व धरोहर रम्माण को पहली बार जिला प्रशासन के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। रामायण और महाभारत के पात्रों को मुखौटा नृत्य के जरिए प्रस्तुत करने वाला यह उत्सव कला, संगीत और धार्मिक कथाओं का अद्भुत संगम पेश करता है। हर साल अप्रैल माह के अंत या मई के प्रथम सप्ताह में आयोजित होने वाले विश्व धरोहर रम्माण का धार्मिक पूजाएं और अनुष्ठान कार्यक्रम बीते 10 अप्रैल से शुरू हो गया था, जो बैसाखी तक जारी रहेगा। वहीं इस दिन पंचांग गणना के अनुसार रम्माण मेले का समय और तिथि घोषित की जाएगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रम्माण के आयोजन पर खुशी जताते हुए कहा कि यह एक आयोजन ही नहीं बल्कि हमारे पूर्वजों की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत है।

ज़ाख मेला

रुद्रप्रयाग जिले के जाखधार में आगामी 15 अप्रैल को प्रसिद्ध ज़ाख मेला का आयोजन किया जाएगा। हक हकूकधारी, गांव के लोग पौराणिक परंपराओं का निर्वहन करते हुए आवंटित कार्यों को गति दे रहे हैं। इस मेले की तैयारियां इन दिनों अंतिम चरण में हैं। केदारघाटी अपनी विशिष्ट संस्कृति और धार्मिक परंपराओं के लिए विख्यात है।

प्रतिवर्ष बैशाखी पर्व यानी आज 14 अप्रैल को रात्रि को पारंपरिक पूजा–अर्चना के बाद अग्निकुंड में रखी लकड़ियों पर अग्नि प्रज्ज्वलित की जाएगी। 15 अप्रैल को मेले के दिन जाखराजा कोठेडा और देवशाल होते हुए ढोल नगाडों के साथ जाखधार पहुंचेंगे और दहकते अंगारों के बीच नृत्य कर भक्तों को आशीर्वाद देंगे।

देवशाल गांव के विद्वान आचार्य हर्षवर्धन देवशाली और बुद्धिजीवी दिनेश शास्त्री बताते हैं, कि ज़ाख मेले के लिए अग्निकुंड तैयार करने के लिए स्थानीय ग्रामीण लकड़ी एकत्रित करने में जुट गए हैं। नारायणकोटी, कोठेडा, नाला, देवशाल, सेमी, भैंसारी, सांकरी, देवर, रुद्रपुर, गड़तरा, क्यूडी, बणसू, खुमेरा समेत 14 गांवों के सहयोग से प्रतिवर्ष जाख मेले का आयोजन किया जाता है।

उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद

उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद, रामनगर हाईस्कूल और इण्टरमीडिएट परीक्षा– 2025 तथा सुधार परीक्षा (द्वितीय) 2024 का परीक्षाफल आगामी 19 अप्रैल को पूर्वाह्न ग्यारह बजे घोषित करेगा।

परिषद कार्यालय में शनिवार को आहूत परीक्षाफल समिति की बैठक में समिति सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया। परिषद के सचिव विनोद प्रसाद सिमल्टी ने बताया कि परीक्षार्थी अपना परीक्षाफल परिषद की वेबसाइट www.ubse.uk.gov.in पर देख सकते हैं।

बता दें कि इस वर्ष 2 हजार 268 व्यक्तिगत और 1 लाख 11 हजार 420 संस्थागत परीक्षार्थियों सहित कुल 1 लाख 13 हजार 688 परीक्षार्थी दसवीं की बोर्ड परीक्षा में शामिल हुए। वहीं कुल 1 लाख 9 हजार 699 विद्यार्थियों ने बारहवीं की बोर्ड परीक्षा दी।

पद्म पुरस्कार

अगले वर्ष के पद्म पुरस्कारों के लिए 31 जुलाई तक नामांकन किए जा सकेंगे। नामांकन प्रक्रिया 15 मार्च से शुरु हुई थी। पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन और सिफारिशें केवल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर स्वीकार की जाएंगी। चयनित पद्म पुरस्कार विजेताओं के नाम अगले वर्ष गणतंत्र दिवस पर घोषित किए जाएंगे।